।। ॐ अर्हन् ।।

श्री तिलोकरत्न स्थानकवासी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड

आचार्य श्री आनंदऋषिजी महाराज मार्ग, अहमदनगर – ४१४००१ (महाराष्ट्र)

जैन सिद्धान्त विशारद परीक्षायाम्

वीर संवत् २५४८ **द्वितीय खण्डे प्रथम पत्रम्**

सन् २०२२ **समय : सुबह ९ से १२** **सम्पूर्णांक : १००**

(खण्ड क – संस्कृत सुनिधि भाग २)

प्रश्न १. निम्नलिखित सूक्तियों के हिंदी में अर्थ लिखिए। **(५)**

१. संतोष एव पुरुषस्य परं निधानम्। २. विद्वान कुलीनो न करोति गर्वम्। ३. अतितृष्णा विनाशाय।
४. आज्ञा गुरुणां ह्यविचारणीया। ५. न स्थातव्यं न गन्तव्यं दुर्जनेन समं क्वचित।

प्रश्न २. निम्नलिखित सन्धियों का विच्छेद करके उनके नाम लिखिए। **(५)**

१. सञ्जय: २. सुगण्णीश: ३. वाग्घीन: ४. षडानन: ५. षण्मुख:

प्रश्न ३. निम्नलिखित धातुओं के रूप पहचानिए। **(१०)**

	रूप	मूलधातु	लकार	पुरुष	वचन
जैसे :-	कुरुध्वे	कृ(८ आ.)	लट्.	मध्यम	बहुवचन
१.	होष्यति				
२.	शेते				
३.	सुनुयात्				
४.	चोरयस्व				
५.	अतुदत				

प्रश्न ४. निम्नलिखित सवालों के जवाब लिखिए।(कोई ३) **(१५)**

१. निम्नलिखित संस्कृत शब्दों का हिंदी अर्थ लिखिए।

अ. उशनस् ब. किङ्कर: क. मुद्रीयम् ड. जतुका इ. पिंगल:

२. 'अन्तर्दीप' इस कहानी को अपनी भाषा में लिखते हुए उससे मिलनेवाली शिक्षा को लिखिए।

३. संवाद पूर्ण कीजिए।

(**मञ्जूषा–** अध्ययनम्, क्रीडने, बहुलाभम्, आवश्यकता, अधुना, करोषि, क्रीडाङ्गणे, क्रीडायै, गुरो, स्वल्पसमयम्।)

अध्यापकः – प्रवीण! त्वम् अत्र किं .....?
प्रवीणः – हे .....! अहम् ..... किमपि न करोमि।
अध्यापकः – तर्हि गच्छ। तव मित्राणि तत्र ..... क्रीडन्ति, तैः सह क्रीड।
प्रवीणः – मम ..... रुचिः नास्ति। अतः अहं न क्रीडामि।
अध्यापकः – स्वस्थशरीरस्य स्वस्थमनसः च कृते क्रीडायाः अस्माकं जीवने महती ..... भवति।
प्रवीणः – यदि अहं क्रीडायां ध्यानं दास्यामि तर्हि मम ..... बाधितं भविष्यति।
अध्यापकः – एतद् समीचीनं नास्ति। क्रीडायै ..... एव प्रयच्छ। अल्पसमयः अपि शरीराय ..... प्रदास्यति।
प्रवीणः – बाढ़म् श्रीमन्! इतः आरभ्य अहं कञ्चित् समयं .....अपि दास्यामि।

४. प्रत्याहार किसे कहते हैं? ये बताते हुए निम्न प्रत्याहारों में कौन-कौनसे वर्ण आते हैं, लिखिए –
झश्, खय्, अच्, ञम्।

५. प्रथमा विभक्ति का प्रयोग कब होता है स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न ५. निम्नलिखित किसी एक सवाल का जवाब लिखिए। **(१५)**

१. विसर्गसन्धि को भेदों सहित स्पष्ट कीजिए।

२. 'उपानह्, राजन्, पयस्, दिव् और नामन्' शद्बों के सभी विभक्तियों के रूप लिखिए।

(खण्ड ख – सुबोध प्राकृत व्याकरण भाग १)

प्रश्न ६. निम्नलिखित वाक्यों हिन्दी में अनुवाद कीजिए। **(५)**

१. जे कम्मे सूरा ते धम्मे सूरा।

२. जेण सिया तेण णो सिया।

३. ममत्तबंधं च महाभयावहं।

४. पढमं णाणं तओ दया।

५. न हणे पाणिणो पाणे।

प्रश्न ७. निम्नलिखित संधि पहचान कर उसका विच्छेद व नाम लिखिए। **(५)**

१. चक्काअ २. बहूअरं ३. णवेला ४. साहुत्तम ५. सासोसासा

प्रश्न ८. अल्पप्राण व महाप्राण वर्ण को अलग कीजिए। **(१०)**

प, ध, ख, झ, च, य, स, ह, ज, ड।

प्रश्न ९.निम्नलिखित किन्हीं तीन सवालों के जवाब लिखिए। **(१५)**

१. संयुक्त व्यंजन किसे कहते हैं? उनकी विशेषताएं लिखिए।

२. निम्नलिखित शब्दों के लिए प्राकृत शब्द लिखिए।

१. डोरी २. दृष्टी ३. राजा ४. तलवार ५. घुटना

३. निम्नलिखित गाथा का हिन्दी में अनुवाद कीजिए।

एगे जिए जिया पंच, पंच जिए जिया दस।
दसहा उ जिणित्ताणं सव्व सत्तू जिणामहं।।

४. 'जय्' धातु के पांचों लकारों के रूप लिखिए।

५. निम्नलिखित शब्दों के परिवर्तित रूप परिवर्तित वर्ण के साथ लिखिए।

	शब्द	**परिवर्तित वर्ण**	**परिवर्तित रूप**
जैसे –	मुद्दु	द – ग्गू	मुग्गू
१.	स्तम्भ		
२.	कश्मीर		
३.	मग्न		
४.	क्षय		
५.	श्रद्धा		

प्रश्न १०. निम्नलिखित किसी एक सवाल का जवाब लिखिए। **(१५)**

१. प्राकृत के विभक्तियों में कौनसे प्रत्यय लगते हैं ये बताते हुए 'सीस' शब्द के रूप लिखिए।

२. सर्वनाम किसे कहते हैं? 'तुम्ह' सर्वनाम के रूप लिखिए।

।। ॐ अर्हन् ।।

श्री तिलोकरत्न स्थानकवासी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड

आचार्य श्री आनंदऋषिजी महाराज मार्ग, अहमदनगर – ४१४००१ (महाराष्ट्र)

जैन सिद्धान्त विशारद परीक्षायाम्

वीर संवत् २५४८ **द्वितीय खण्डे द्वितीय पत्रम्**

सन् २०२२ **समय : सुबह ९ से १२** **सम्पूर्णांक : १००**

(खण्ड क – उत्तराध्ययन सूत्र)

प्रश्न १. निम्नलिखित कौनसे अध्ययन से है, बताइए। **(५)**

१. पादोपगमन मरण
२. अडियल घोडा
३. अचेल परिषह
४. मानव भव
५. भारंडपक्षी

प्रश्न २. निम्नलिखित किन्हीं २ गाथाओं को ससंदर्भ स्पष्ट कीजिए। **(१०)**

१. मुसं परिहरे भिक्खू ण य ओहारिणिं वए।
भासा दोसं परिहरे मायं च वज्जए सया।।

२. वरं मे अप्पा दन्तो, संजमेण तवेण य।
माहं परेहि दम्मन्तो बन्धणेहि वहेहि य।।

३. हत्थागया इमे कामा कालिया जे अणागया।
को जाणइ परे लोए अत्थि णत्थि वा पुणो।।

४. सुत्तेसु यावी पडिबुद्ध जीवी न वीससे पण्डिए आसुपन्ने।
घोरा मुहुत्ता अबलं सरीरं भारण्ड-पक्खी व चरे पमत्तो।।

प्रश्न ३. निम्नलिखित किसी १ सवाल का जवाब लिखिए। **(१५)**

१. 'असंस्कृत' शब्द का अर्थ बताते हुए इस अध्ययन का सार अपनी भाषा में लिखिए।
२. अविनीत शिष्य के लिए आयी उपमाओं को स्पष्ट कीजिए।

(खण्ड ख – जैन तत्त्व दीपिका)

प्रश्न ४. निम्नलिखित सवालों के अंकों में जवाब लिखिए। **(५)**

१. भव्य जीव में कितनी आत्माएं होती हैं?
२. सर्वघाति कर्मों की कितनी प्रकृतियां हैं?
३. जम्बूद्विप में मुख्य नदियां कितनी हैं?
४. १ युग कितने वर्षों का होता है?
५. चंद्रमा का विमान कितना ऊपर है?

प्रश्न ५. निम्नलिखित किन्हीं पांच की परिभाषा लिखिए। **(१०)**

१. आकाशास्तिकाय २. पारिणामिक भाव ३. औपशमिक सम्यक्त्व
४. आहारक वर्गणा ५. निर्वेद ६. साधु

प्रश्न ६. निम्नलिखित किन्हीं ५ सवालों के जवाब लिखिए। **(१०)**

१. प्रत्येकबुद्ध तथा अन्यलिंग सिद्धों के उदाहरण लिखिए।
२. भावविपाकी कर्म के कितने भेद है?
३. अवसर्पिणी काल किसे कहते हैं?
४. आत्मा को कौनसे ४ अंग मिलना दुर्लभ है?
५. परार्थानुमान किसे कहते हैं?
६. तीन करण कौनसे हैं?

प्रश्न ७. निम्नलिखित किसी १ सवाल का जवाब लिखिए। **(१५)**

१. गुण कितनी तरह के होते हैं? उनके भेद बताकर छह द्रव्यों में कौनसे विशेष गुण होते हैं, लिखिए।
२. मनोरथ किसे कहते हैं? उसके भेद बताते हुए उनके चिंतन करने से क्या फल मिलता है, बताइए।

(खण्ड ग – इतिहास के उज्ज्वल पृष्ठ)

प्रश्न ८. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। **(५)**

१. पू. लवजीऋषिजी म. के शिष्यों से महाराष्ट्र में ..... सम्प्रदाय प्रचलित हुआ।
२. ..... आचार्य जिनभद्रजी की अंतिम रचना है।
३. लोकाशाह के समकालीन पंजाब में ..... थे।
४. ..... ने २७ आगमों पर टब्बे लिखे।
५. अंतिम कुलकर ..... थे।

प्रश्न ९. ये कौन है, पहचानिए। **(५)**

१. ३२ आगमों का अनुवाद करनेवाले
२. श्री तिलोक रत्न स्थानकवासी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड के प्रेरक
३. जैन धर्म दिवाकर की उपाधि से सम्मानित
४. ८५ गाथाओं में ऋषभदेव का स्तवन बनाने वाले
५. विशेषावश्यक भाष्य के रचनाकार

प्रश्न १०. निम्नलिखित किन्हीं चार पर टिप्पणी लिखिए। **(२०)**

१. भगवान ऋषभदेव
२. आचार्य हरिभद्र
३. आचार्य हेमचन्द्र
४. आचार्य सिध्दसेन दिवाकर
५. आचार्य अभयदेव पर बनी शासनदेवी की कृपा

।। ॐ अर्हन् ।।

श्री तिलोकरत्न स्थानकवासी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड

आचार्य श्री आनंदऋषिजी महाराज मार्ग, अहमदनगर – ४१४००१ (महाराष्ट्र)

जैन सिद्धान्त विशारद परीक्षायाम्

वीर संवत् २५४८ **प्रथम खण्डे द्वितीय पत्रम्**

सन् २०२२ **समय : सुबह ९ से १२** **सम्पूर्णांक : १००**

(खण्ड क – संस्कृत सुनिधि भाग १)

प्रश्न १. निम्नलिखित समय को संस्कृत में लिखिए। **(५)**

१. ५.५० २. ४.२५ ३. ७.४५ ४. ६.३० ५. ९.०५

प्रश्न २. नीचे दिए किन्हीं ५ अव्ययों से वाक्य बनाइए। **(५)**

१. सर्वत्र २. आम् ३. कियत्
४. तूष्णीम् ५. चेत् ६. अपि

प्रश्न ३. नीचे दिये पदों की सन्धि करते हुए सन्धि का नामनिर्देश कीजिए। **(१०)**

१. गिरि + ईशः =
२. तव + लृकारः =
३. ग्रामे + अपि =
४. अहो + अद्य =
५. तस्मै + एतत् =

प्रश्न ४. किन्हीं तीन सवालों के यथोचित जवाब लिखिए। **(१५)**

१. 'साधूनां दर्शनं पुण्यं ------' सुभाषित को शुद्ध लिखकर अपनी भाषा में भावार्थ लिखिए।
२. 'देशप्रेम' कथा को हिंदी में लिखकर उससे मिलनेवाली सीख भी लिखिए।
३. क्रमवाचक संख्याविशेषण किसे कहते हैं? उसके नियमों को सोदाहरण लिखिए।
४. 'युज्' धातु के सभी लकारों में रूप लिखिए।
५. निम्नलिखित खाद्यपदार्थों के लिए संस्कृत शब्द लिखिए।
   अ. हल्दी आ. नींबू इ. घी ई. बेसन उ. आचार
६. निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए।
   अ. मेरे मित्र ने पुस्तक पढ़ी।
   आ. तुम शीघ्र घर जाओ।
   इ. मैं विद्यालय जाऊंगा।
   ई. सूर्य उदित होगा और कमल खिलेंगे।
   उ. वह किसका घोड़ा है?

प्रश्न ५. किसी एक सवाल का विस्तृत जवाब लिखिए। **(१५)**

१. संस्कृत में कितने और कौनसे ककार प्रसिद्ध है, सोदाहरण लिखते हुए 'किम्' के तीनों लिंगो में रूप लिखिए।
२. उच्चारण स्थान तथा प्रयत्नों को समझाते हुए निम्न वर्णों के उच्चारण स्थान, आभ्यन्तर और बाह्य प्रयत्न लिखिए।
   ए, द, ट, व, ब, म, स, आ, घ, थ।

P.T.O.

(खण्ड ख – तत्त्वार्थ सूत्र)

प्रश्न ६ अ. एक शब्द में जवाब दीजिए। **(५)**

१. जम्बूद्वीप का आकार कैसा है?
२. देवों के कितने निकाय है?
३. सम्पूर्ण कर्मों का क्षय होना क्या है?
४. ११ परिषह कौनसे गुणस्थान में होते हैं?
५. आहारक शरीर किसे होता है?

ब. अंकों में जवाब लिखिए। **(५)**

१. आयु कर्म की उत्कृष्ट स्थिती कितनी हैं?
२. नरक की भूमियां कितनी हैं?
३. जन्म के प्रकार कितने हैं?
४. मोक्ष के साधन कितने हैं?
५. रूपी द्रव्य कितने हैं?

प्रश्न ७. निम्नलिखित किन्हीं तीन सवालों के जवाब लिखिए। **(६)**

१. जरायुज किसे कहते हैं?
२. व्यन्तरदेवों की जघन्य तथा उत्कृष्ट स्थिति लिखिए।
३. आश्रव के अधिकरण कितने और कौनसे?
४. संलेखना के अतिचार लिखिए।

प्रश्न ८. निम्नलिखित किन्हीं दो सूत्रों का अर्थ स्पष्ट कीजिए। **(४)**

१. अवग्रहेहावायधारणा।
२. एक समयोऽविग्रहः।
३. अगार्यनगारश्च।

प्रश्न ९. निम्नलिखित किन्हीं तीन सवालों के जवाब लिखिए। **(१५)**

१. सिद्धों में भेद कितने अनुयोगों से किया जाता है? कौनसे?
२. अनुप्रेक्षा किसे कहते हैं? वे कितनी है और कौनसी?
३. बन्ध के कितने भेद हैं? संक्षेप में बताइए।
४. अजीवकाय किसे कहते हैं? वे कितने और कौनसे?
५. पांच शरीर पर टिप्पणी लिखिए।

प्रश्न १०. किसी एक सवाल का विस्तृत जवाब लिखिए। **(१५)**

१. पांच ज्ञान का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।
२. पांचवे अध्ययन का सार अपनी भाषा में लिखिए।

।। ॐ अर्हन् ।।

श्री तिलोकरत्न स्थानकवासी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड

आचार्य श्री आनंदऋषिजी महाराज मार्ग, अहमदनगर – ४१४००१ (महाराष्ट्र)

जैन सिद्धान्त विशारद परीक्षायाम्

वीर संवत् २५४८ **प्रथम खण्डे प्रथम पत्रम्**

सन् २०२२ **समय : सुबह ९ से १२** **सम्पूर्णांक : १००**

(खण्ड क – नवतत्त्व सार्थ)

प्रश्न १. जोड लगाइए। (५)

'अ'स्तंभ	'ब'स्तंभ
१. सेवार्त	अ. कषाय
२. वामन	ब. संहनन
३. जीव	क. संस्थान
४. प्रदेश	ड. द्रव्य
५. आश्रव	इ. बन्ध

प्रश्न २. अंकों में जवाब लिखिए। (५)

१. वेदनीय की उत्कृष्ट स्थिति कितनी है?
२. स्थावरदशक की कितनी प्रकृतियां हैं?
३. मार्गणाओं के कुल भेद कितने हैं?
४. संवर तत्त्व के कितने भेद हैं?
५. क्रियाएं कितनी हैं?

प्रश्न ३. ये कौनसे तत्त्व हैं, पहचानिए। (५)

१. अनंत गुणों से युक्त शुद्ध आत्मा का स्थान
२. कर्मों का अंशत: आत्मा से अलग होना
३. उदयमान शुभ कर्मों का फल
४. चेतनामय असंख्यात प्रदेशी
५. पांच द्रव्य जिसमें आते हैं

प्रश्न ४. निम्नलिखित किन्हीं पांच की परिभाषा लिखिए। (१०)

१. परिग्रह	२. पराघात नामकर्म	३. रूपी
४. अनुभाव बंध	५. सुभग नामकर्म	६. पर्याप्त

प्रश्न ५. निम्नलिखित किन्हीं चार सवालों के जवाब लिखिए। (२०)

१. जीव के लक्षण लिखकर उनका स्वरूप संक्षेप में लिखिए।
२. १२ भावनाओं के नाम लिखकर किन्हीं चार भावनाओं का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।
३. निम्नलिखित गाथा को ससंदर्भ स्पष्ट कीजिए।

सामाइयत्थ पढमं, छेओवट्ठावणं भवे बीअं।
परिहारविसुद्धियं सुहुमं तह संपरायं च।

४. त्रसदशक में कौन-कौनसी प्रकृतियां आती है, उनकी परिभाषा लिखिए।

५. कर्मों की उत्कृष्ट और जघन्य स्थिति को लिखते हुए बंध के प्रकार लिखिए।

प्रश्न ६. किसी एक सवाल का जवाब दीजिए। **(१५)**

१. निर्जरा तत्त्व का स्वरूप अपनी भाषा में लिखिए।

२. पापकर्म के कुल भेद कितने हैं यह बताते हुए मोहनीय कर्म के भेदों को सविस्तर लिखिए।

(खण्ड ख – जैनत्व की झांकी)

प्रश्न ७. ये विशेषताएं कौनसे तीर्थंकर की है, पहचानिए। **(५)**

१. चातुर्याम धर्म के उपदेशक

२. नारी जाति के उद्धारक

३. प्रथम धर्म प्रवर्तक

४. माता शिवा देवी के पुत्र

५. पुष्पदंत नाम से प्रसिद्ध

प्रश्न ८. टिप्पणी लिखिए।(कोई ३) **(१५)**

१. अनेकांतवाद

२. वत्थुसहावो धम्मो

३. रात्रिभोजन निषेध

४. आदर्श साधु

प्रश्न ९. किन्हीं ५ सवालों के जवाब लिखिए। **(१०)**

१. मानव शरीर से वनस्पति की कोई २ साम्यता लिखिए।

२. भारतवर्ष में प्रचलित दर्शनों के नाम लिखिए।

३. परमात्मा पद की व्याख्या दीजिए।

४. आश्रव के कितने प्रकार हैं, कौनसे?

५. दान देने से क्या लाभ होते हैं?

६. जैन कौन हो सकता है?

प्रश्न १०. किसी १ सवाल का जवाब लिखिए। **(१०)**

१. 'अप्पा सो परमप्पा' इस उक्ति को १५-२० पंक्तियों में स्पष्ट कीजिए।

२. त्रिपदी को विस्तृत रूप से समझाइए।